सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 46 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 20 मार्च, 2025
मूल्य ₹ 3/-

पुस्तकें वो साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
-सर्वपल्ली राधाकृष्णन

परिवार के साथ यात्रा के नियम में... 7 | भाजपा पर तीखा प्रहार करेगा... 3 | महाकुंभ में लापता हुए लोगों का... 2

पंजाब सरकार ने उखाड़ फेंके किसानों के तंबू

» पानी की तोपों और बुल्डोजर का किया इस्तेमाल
» 200 से ज्यादा किसान हिरासत में, बोले अन्नदाता हमारे साथ धोखा हुआ है
» कांग्रेस ने सीएम मान को बताया पंजाब का एकनाथ शिंदे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। खनौरी बॉर्डर पर इंटरनेट सेवाएं बंद है। पुलिस ने आपरेशन क्लीन के तहत बीती रात धरने पर डटे 200 से ज्यादा किसानों को गिरफ्तार किया। और सुबह से उनके तंबुओं में रखे सामान को हटाया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक बार्डर पर स्थिति विस्फोटक है। किसानों ने इसे भगवंत मान सरकार की दमनात्मक कार्रवाई बताया है और अगले मोर्चे पर डंटने का एलान कर दिया है। साफ है कि अन्नदाता झुकने के? लिए तैयार नहीं हैं।

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि अब आर—पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। पंजाब के शंभू और खनौरी बॉर्डर पर किसान विभिन्न मांगों को लेकर 13 महीनों से धरना दे रहे थे। किसानों न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी की कानूनी गारंटी के साथ कर्ज माफी और किसानों की आय को दोगुनी करने जैसे सरकारी वायदों को पूरा करने की मांग कर रहे थे।

क्या करेंगे केजरीवाल

गौरतलब है कि पंजाब में आप सरकार है और दिल्ली के किसान आंदोलन में आम आदमी पार्टी किसान आंदोलन के साथ खड़ी थी। ऐसे में पंजाब में किसानों पर हुई हालिया कार्रवाई एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनेगी। खासकर बीजेपी और कांग्रेस आम आदमी पार्टी के संस्थापक अरविंद केजरीवाल से सवाल पूछेगी कि उनकी सरकार ने किसानों के साथ इस प्रकार की कार्रवाई क्यों की।

किसानों में आक्रोश

सरकारी कार्रवाई के बाद किसान संगठनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने सरकार पर दमनकारी नीति अपनाने का आरोप लगाया और बड़े आंदोलन की चेतावनी दी। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने कहा है कि यदि किसानों की मांगें नहीं मानी जाती है तो वे राष्ट्रव्यापी आंदोलन करेंगे। यदि किसान संगठन बड़े पैमाने पर आंदोलन करते हैं, तो इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है।

सीएम मान ने धोखा किया

कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा ने पंजाब सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर किसान नेताओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मान सरकार ने किसान नेताओं को मीटिंग के लिए चंडीगढ़ बुलाया था, लेकिन बाद में उन्हें पुलिस द्वारा गिरफ्तार करवा दिया। बाजवा ने दावा किया कि यह घटनाक्रम भाजपा और आम आदमी पार्टी की रणनीति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मान सरकार ने न केवल किसानों बल्कि हर वर्ग को धोखा दिया है।

औलख ने पंजाब सरकार पर निशाना साधा

मोर्चा हटाने की कार्रवाई पर लखविंदर सिंह औलख ने पंजाब सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों को धोखा दिया है। एमएसपी गारंटी कानून सहित अन्य मांगों को लेकर 13 महीने से चल रहे मोर्चे को सरकार ने तहस-नहस कर दिया है। किसानों ने ऐलान किया है कि वे भूख हड़ताल करेंगे और संघर्ष जारी रखेंगे। किसान अब डीसी ऑफिस के सामने धरना देंगे।

तीन दिन में खुल जाएंगे रास्ते : बिट्टू

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पंजाब के बॉर्डर के रास्तों को हरियाणा की तरफ से तीन दिन में खोलने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ उनकी बातचीत के बाद यह तय हुआ कि अब जब धरना खत्म हो गया है तो हरियाणा की तरफ से बॉर्डर के रास्ते सभी के लिए खोल दिए जाएंगे। बिट्टू के मुताबिक शंभू बॉर्डर पर दीवार और बैरिकेड्स की वजह से उसे हटाने में थोड़ा समय लगेगा लेकिन उन्होंने भरोसा दिलाया कि तीन दिन के अंदर रास्ते खोल दिए जाएंगे।

ईडी की कार्रवाई के बाद तेजी से लालूमयी हो रहा बिहार

» टाइगर अभी जिंदा है के लगे पोस्टर
» आर—पार की लड़ाई का शंखनाद

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव के नतीजों के बाद एक बयान तेजी से वायरल हुआ था। बयान तेजस्वी यादव का था जिसमें उन्होंने कहा था कि दिल्ली चुनाव के बाद केन्द्रीय एजेंसियों का रूख बिहार होगा। उनका बयान सच साबित हुआ और दिल्ली चुनाव के बाद लालू प्रसाद यादव की मुसीबतें बढ़ने लगी।

एक बार फिर वह ईडी की रडार पर है और पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती के साहरे लड़ाई लड़ रहे हैं।

जैसे-जैसे ईडी की कार्रवाई आगे बड़ रही है वैसे—वैसे बिहार में उनके प्रति लोगों के मन में संवेदनाएं उमड़ रही है। ताजा उदहारण बिहार के पटना में लगे उनके प्रति पोस्टर दर्शाते हैं। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास के आस-पास और पटना के दूसरे इलाकों में बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए गए हैं। इन होर्डिंग में लालू यादव के लिए 'टाइगर जिंदा है' लाइन लिखी गयी है। यही नहीं होर्डिंग में एक संदेश भी दिया गया है। संदेश में लिखा है कि 'ना झुका हूं, ना झुकुंगा।' इस होर्डिंग में लालू यादव की एक तस्वीर बनायी गयी है। उनके हाथ-पांव को रस्सी के जरिए अलग-अलग तरफ से कुछ लोगों को खींचते हुए दिखाया गया है। जिसे जांच एजेंसी सीबीआई, ईडी, पीएमओ, आरएसएस के रूप में बताया गया है।

कांग्रेस ने बदला प्रदेश अध्यक्ष

बिहार चुनाव की गहमा गहमी के बीच कांग्रेस ने अपने प्रदेश अध्यक्ष को बदल दिया है। अब कमान राजेश कुमार के हाथों में। राजेश ने प्रदेश अध्यक्ष बनते ही राहुल गांधी और अध्यक्ष खरगे से मुलाकात की। इन दिनों कन्हैया कुमार भी यात्रा पर निकले हैं वहीं राजेश कुमार ने कांग्रेस को ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ने के संकेत दिये हैं लेकिन यह भी साफ कर दिया है,कि जो गठबंधन में तय होगा वैसा ही होगा। यानि की कांग्रेस ने राजद के साथ मिलकर नीतिश सरकार पर चौतरफा हमला करने की पूरी तैयारी कर ली है। यही नहीं कांग्रेस ने बिहार में दलित वोट बैंक को मजबूत करने के लिए नए कदम उठाए हैं जिससे भाजपा और जदयू के समीकरण प्रभावित हो सकते हैं।

स्पष्ट है संदेश

इन होर्डिंग्स का उद्देश्य स्पष्ट है जो लालू यादव के प्रति समर्थन व्यक्त करता है। होर्डिंग्स के जरिये यह बताने की कोशिश की गयी है कि लालू प्रसाद यादव किसी भी चुनौती के सामने नहीं झुकेंगे। यह कदम तब उठाया गया जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जमीन के बदले नौकरी घोटाले के सिलसिले में लालू यादव से पूछताछ की थी। राजद कार्यकर्ताओं ने इन पोस्टरों के माध्यम से यह संदेश देने की कोशिश की है कि लालू परिवार किसी भी दबाव के आगे नहीं झुकेगें। लालू यादव के लिए यह होर्डिंग राजद नेता निशांत मंडल (मधुबनी) और पूर्व जिला पार्षद संजू कोहली (जहानाबाद) की ओर से लगाए गए हैं।

महाकुंभ में लापता हुए लोगों का अब भी पता नहीं लगा पाई सरकार : अखिलेश

» सपा प्रमुख का दावा- प्रयागराज में अभी भी पोस्टर लगे हुए हैं

» लोकसभा में पीएम मोदी के महाकुंभ वाले बयान पर किया पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा सरकार व सीएम योगी पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा और उसके लोगों को कम से कम उन श्रद्धालुओं के परिवारों की मदद करनी चाहिए जिनके परिवार के सदस्य खो गए हैं और अभी भी करीब 1000 हिंदू लापता हैं। लोकसभा में पीएम मोदी के महाकुंभ वाले बयान पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया।

उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सभी को महाकुंभ और कुंभ बार-बार याद आता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत सरकार ने महाकुंभ के आयोजन के लिए कितना बजट दिया। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सिर्फ यह व्यवस्था कर रहे थे कि वाहन कहां पार्क किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि लोगों को रोका जा रहा था, उन्हें सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा था। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा और उसके लोगों को कम से कम उन श्रद्धालुओं के परिवारों की मदद करनी चाहिए जिनके परिवार के सदस्य खो गए हैं और अभी भी करीब 1000 हिंदू लापता हैं। भाजपा को लापता 1000 हिंदुओं की जानकारी उनके परिवारों को देनी चाहिए। प्रयागराज में अभी भी पोस्टर लगे हुए हैं। यह दुखद है कि उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार उन पोस्टरों को हटवा रही है। सरकार को कम से कम उन 1000 हिंदुओं को खोजने की कोशिश करनी चाहिए जो लापता हैं। नागपुर हिंसा पर यादव ने कहा कि जहां भी ऐसे दंगे होते हैं, भाजपा उसका फायदा उठाना चाहती है, सब कुछ भाजपा के इशारे पर होता है। सुनने में आ रहा है कि (छत्रपति शिवाजी महाराज) का तिलक पैर के अंगूठे से किया गया।

उत्तर प्रदेश में बढ़ गया है अपराध

उत्तर प्रदेश में डीएसपी का घर जला दिया गया, सरकारी गाड़ी जला दी गई। शाहजहांपुर में भाजपा के लोगों ने पुलिस को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, सीतापुर में पत्रकार को गोली मार दी गई, इलाहाबाद में बेटी के साथ जो हुआ, उसकी कोई कल्पना नहीं कर सकता, ये बड़े सवाल हैं।

सुनीता विलियम्स को भारत रत्न दिया जाना चाहिए : ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष में करीब नौ महीने बिताने के दौरान आई चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। बनर्जी ने विधानसभा में सुनीता विलियम्स और उनके बचाव दल को बधाई दी तथा अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर वापस लाने में उनके सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा की। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर अन्य दो अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के जरिए पृथ्वी पर लौट आए हैं।

ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा, '' पश्चिम बंगाल विधानसभा विलियम्स और एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को बचाने वाली टीम को धन्यवाद देना चाहती है, जो कई महीनों से अंतरिक्ष में फंसे हुए थे। मैं उन्हें और सुनीता विलियम्स को बधाई देती हूं। मुझे लगता है कि उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए। इस बीच, पश्चिम बंगाल के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष में नौ महीने बिताने के बाद सुरक्षित धरती पर लौटने पर बधाई दी। विलियम्स को बधाई देने वाली तख्तियां लेकर भाजपा विधायक विधानसभा परिसर में एकत्र हुए। सत्र का पहला भाग समाप्त होने के बाद भाजपा के मुख्य सचेतक शंकर घोष ने पार्टी विधायकों के समूह का नेतृत्व किया। भाजपा के करीब 30 विधायक प्रवेश द्वार के पास खड़े थे, जिनमें से प्रत्येक के हाथ में विलियम्स की एक तस्वीर थी, जिसके नीचे अभिनंदन सुनीता विलियम्स और भारतेर कन्या लिखा हुआ था। घोष ने कहा कि उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष बिमन बनर्जी से अनुरोध किया है कि वे विलियम्स को बधाई देने के लिए विधानसभा को सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करने की अनुमति दें।

नये बिहार प्रदेश अध्यक्ष ने की कांग्रेस आलाकमान से शिष्टाचार मुलाकात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

औरंगाबाद। कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद औरंगाबाद के कुटुम्बा विधायक राजेश कुमार को दिल्ली पहुंचे। राजेश कुमार वहां पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान पार्टी संगठन और बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई।

प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि कांग्रेस बिहार विधानसभा का चुनाव पूरी मजबूती से लड़ेगी। इसके लिए संगठन की भी मजबूती जरूरी है। इसी उदेश्य से संगठन ने उन्हे प्रदेश अध्यक्ष की बड़ी जिम्मेवारी सौंपी है। कांग्रेस के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस नेताओं के साथ मुलाकात के दौरान बिहार विधानसभा चुनाव, पार्टी संगठन की मजबूती और भावी रणनीति समेत अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई है।

झारखंड में फिर बांग्लादेशी घुसपैठ का मुद्दा गरमाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड की राजनीति में एक बार फिर बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को लेकर बयानबाजी तेज हो चुकी है। लोकसभा में लगातार भाजपा से गोड्डा सांसद संथाल परगना में हो रही बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे को उठा रहे हैं।

वहीं, विधानसभा सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन द्वारा बांग्लादेशी मुद्दे पर झारखंड सरकार को घेरा जा रहा है। अब पलटवार करते हुए झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कहा, अगर राज्य से एक भी बांग्लादेशी घुसपैठ मिल गया तो राजनीति से दे दूंगा इस्तीफा। झारखंड में बजट सत्र जारी है। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष ने राज्य में एनआरसी लागू कराने की बात कर दी। साथ ही साथ उन्होंने आरोप लगाया कि संथाल परगना में बढ़ती बांग्लादेशी घुसपैठ के कारण डेमोग्राफिक चेंज हो रहा है, जिससे आदिवासी समाज शोषण का शिकार हो रहे हैं।

इस पर जमकर हंगामा हुआ। बाबूलाल मरांडी के समर्थन में पूर्व मंत्री रणधीर सिंह ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी पर व्यंग्य करते हुए उन्हें ही बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमान कह दिया। यहां तक कि झारखंड में एनआरसी लागू कर उन्हें झारखंड से बाहर करने की बात कह दी है। ज्ञात हो पिछले दिनों इरफान अंसारी ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के गिरिडीह दौरे पर तंज कसते हुए कहा था, वह छत्तीसगढ़ से आए हैं और उनकी राजनीति समाप्त हो चुकी है।

मंत्री इरफान अंसारी ने बाबूलाल मरांडी को दी चुनौती

विपक्ष कमजोर हो चुका है उसके पास कोई मुद्दा नहीं : इरफान

बाबूलाल मरांडी और रणधीर सिंह के बयान के बाद सदन का माहौल गरमा गया है। मौके पर पलटवार करते हुए झारखंड सरकार में स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा, विपक्ष कमजोर हो चुका है। इनके पास कोई मुद्दा नहीं है। लेकिन अगर आपसी भाईचारे को खत्म करने की कोशिश की जाएगी तो यह बर्दास्त नहीं किया जाएगा। झारखंड सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विकास के लिए कार्य कर रही है। बाबूलाल मरांडी को चेतवानी देते हुए इरफान अंसारी ने कहा, अगर राज्य में एक भी बांग्लादेशी घुसपैठ मिल गया तो राजनीति से इस्तीफा दे दूंगा।

महाराष्ट्र सरकार ने नागपुर हिंसा के दो दिन बाद विधायकों के लिए रात्रिभोज आयोजित किया : सपकाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने नागपुर शहर में हिंसा के दो दिन बाद निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए रात्रिभोज पार्टियों का आयोजन करने के लिए राज्य सरकार की आलोचना की।

सपकाल ने कहा कि राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारियों ने बुधवार को विधानमंडल परिसर के लॉन में निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया, जबकि सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने के लिए भड़काऊ भाषण देने वाले एक मंत्री बृहस्पतिवार को निर्वाचित सदस्यों के लिए एक पार्टी का आयोजन करेंगे। कांग्रेस नेता ने मंत्री नितेश राणे, विधान परिषद के सभापति राम शिंदे और विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा दिए गए निमंत्रण को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया।

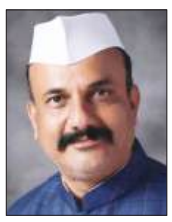

छत्रपति संभाजीनगर जिले में स्थित मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान आयत वाली चादर जलाए जाने की अफवाहों के बीच हिंसक भीड़ ने सोमवार रात को मध्य नागपुर के कई इलाकों में हिंसा और आगजनी की।

भाजपा पर तीखा प्रहार करेगा गांधी परिवार!

एनडीए सरकार को संसद से सड़क तक घेरेगी कांग्रेस

- मनरेगा को लेकर सोनिया गांधी ने भाजपा को घेरा
- राहुल और प्रियंका के निशाने पर पीएम मोदी
- रास में बोलीं कांग्रेस सांसद- न्यूनतम मजदूरी और कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाया जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गांधी परिवार के मुख्य सदस्यों सोनिया गांधी, राहुल गांधी व प्रियंका गांधी ने कांग्रेस को फिर से और ताकतवर बनाने के लिए पूरी मेहनत शुरू कर दी है। इसी के मद्देनजर वे तीनों जहां वर्तमान में देश में शासन कर रही भाजपा सरकार को घेरने का काम करने से नहीं चूकते उसी तरह से समय-समय पर अपनी पार्टी को आईना दिखाने में भी पीछे नहीं रहते हैं।

अभी हाल ही में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गुजरात दौरे में राज्य के कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को अपने को बदलकर राज्य में जनता से जुड़ने को कहती रहतें है। उधर यूपी व बिहार जैसे राज्यों में भी पार्टी ने कड़ी मेहनत शुरू कर दी है। जहां यूपी में संगठन में बदलाव करने की योजना पर काम चल रही है तो बिहार में प्रदेश अध्यक्ष को बदलकर इसकी शुरुआत कर दी गई है। इन सबके बीच तीनों ही नेताओं संसद से सड़क तक भाजपा व मोदी सरकार पर तीखे प्रहार शुरू किए हैं।

मजदूरों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने कहा कि इस कानून को आधार आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) और राष्ट्रीय मोबाइल निगरानी प्रणाली (एनएमएमएस) सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कार्यस्थल पर कार्यरत लाभार्थियों की समय पर उपस्थिति एनएमएमएस ऐप के माध्यम से दर्ज की जाती है। गांधी ने यह भी कहा कि मजदूरी भुगतान और मजदूरी दरों में लगातार देरी मुद्रास्फीति की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं है। उन्होंने कहा कि इन चिंताओं के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि योजना को जारी रखने और इसका विस्तार करने के लिए पर्याप्त वित्तीय प्रावधान किए जाएं। उन्होंने कहा, ''इसके साथ ही मजदूरी में प्रति दिन 400 रुपये की न्यूनतम वृद्धि की जाए, मजदूरी की राशि समय पर जारी की जाए, अनिवार्य एबीपीएस और एनएमएमएस आवश्यकताओं को हटाया जाए, गारंटी वाले कार्य दिवसों की संख्या में 100 से 150 दिन प्रति वर्ष की वृद्धि की जाए।'' उन्होंने कहा, ''ये उपाय यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि मनरेगा गरिमापूर्ण रोजगार और वित्तीय सुरक्षा प्रदान करे।'' केंद्र सरकार ने पिछले साल आम चुनावों की घोषणा से ठीक पहले, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए मनरेगा मजदूरी में 3-10 प्रतिशत की मामूली वृद्धि की थी। अलग-अलग राज्यों में मजदूरी 237 रुपये (उत्तराखंड) से लेकर 300 रुपये (आंध्र प्रदेश) के बीच है।

विपक्ष को बोलने का नहीं दिया मौका : प्रियंका

लोकसभा में महाकुंभ पर पीएम मोदी के संबोधन पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा पीएम महाकुंभ पर सकारात्मक बोल रहे थे। विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाना चाहिए था, क्योंकि विपक्ष को भी महाकुंभ के प्रति भावनाएं है। अगर हम अपनी बात रखते हैं तो उन्हें कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। विपक्ष को भी दो मिनट बोलने की अनुमति दी जानी चाहिए थी।

'पीएम को रोजगार पर बोलना चाहिए था : राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी के महाकुंभ पर दिए गए वक्तव्य पर कहा कि मैं प्रधानमंत्री की बात का समर्थन करना चाहता था। कुंभ हमारी परंपरा है, संस्कृति है, इतिहास है। एक शिकायत थी कि प्रधानमंत्री ने जिनकी मृत्यु हुई उन्हें श्रद्धांजलि नहीं दी। जो युवा कुंभ में गए उन्हें प्रधानमंत्री से रोजगार चाहिए और प्रधानमंत्री को उसपर भी बोलना चाहिए था। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेता प्रतिपक्ष को तो बोलने का मौका दिया जाना चाहिए था लेकिन नहीं देते हैं, यह नया भारत है।

यूपी कांग्रेस में संगठन को दुरुस्त करने की तैयारी

प्रदेश कांग्रेस के संगठन में भी बदलाव की प्रक्रिया चालू है। जिलाध्यक्ष पद के लिए 11 और महानगर अध्यक्ष पद के लिए 12 नामों का पैनल पार्टी नेतृत्व को जनवरी के पहले सप्ताह में भेजा गया था। कार्यकर्ताओं को अब नेतृत्व के निर्णय का इंतजार है। पार्टी नेताओं का कहना है कि प्रदेश कार्यकारिणी की ओर से पैनल में शामिल कार्यकर्ताओं का इंटरव्यू भी हो चुका है। यहां से फरवरी में केंद्रीय नेतृत्व को पैनल भेज दिया गया था। अब वहीं से नाम की घोषणा होनी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि कभी भी नामों की घोषणा हो सकती है। वर्तमान में करीब पांच साल से अशफाक सकलैनी जिलाध्यक्ष और चार साल से अजय शुक्ला महानगर अध्यक्ष हैं। पांच साल पूरे होने पर महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी का स्वागत व सम्मान पार्टी कार्यालय पर हुआ। प्रवक्ता दीपक शर्मा ने बताया कि शमीम खां सुल्तानी सबसे अधिक समय तक इस पद पर रहे हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड दिवंगत मोहम्मद खालिद के नाम था। वह चार साल तक महानगर अध्यक्ष रहे थे। सम्मानित करने वालों में उपाध्यक्ष दिनेश यादव, महिला सभा की महानगर अध्यक्ष सरताज गजल अंसारी व अन्य लोग मौजूद रहे।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष पर सख्त हुआ शीर्ष नेतृत्व

बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह की छुट्टी हो गई है। उनकी जगह दलित समुदाय से आने वाले विधायक राजेश कुमार को कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। बिहार विधानसभा चुनाव में अभी लगभग 7 महीने बाकी हैं और नए प्रदेश प्रभारी को बदलने के बाद अब बिहार प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष भी पार्टी आलाकमान ने बदल दिया है। राजेश कुमार औरंगाबाद जिला के कुटुम्बा के विधायक हैं। कांग्रेस पार्टी में अखिलेश सिंह ला लगातार विरोध हो रहा था। उनके ही कार्यकर्ता उनपर गंभीर आरोप लगा रहे थे। यह अन्त: विरोध काफी दिनों से चल रहा था। उनके कार्यकर्ताओं का आरोप था कि कई जगह उन्होंने पार्टी का कार्यालय और जमीन उन्होंने बेच दी। साथ ही साथ में काम करने वाले कार्यकर्ताओं के साथ उनका व्यवहार भी काफी खराब थे। इसके अलावे अन्य कई कारण थे, जिस वजह से उनका लगातार विरोध हो रहा था।

मनरेगा को कमजोर कर रही है एनडीए सरकार : सोनिया गांधी

राज्यसभा में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को व्यवस्थित रूप से कमजोर करने का आरोप लगाया और इस कानून के तहत न्यूनतम मजदूरी और कार्य दिवसों की संख्या बढ़ाए जाने की मांग की। राज्यसभा में शून्यकाल के तहत इस मुद्दे को उठाते हुए सोनिया ने इस कानून को जारी रखने और साथ ही इसका विस्तार करने के लिए पर्याप्त वित्तीय प्रावधान किए जाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि यह 'ऐतिहासिक कानून' लाखों ग्रामीण गरीबों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच रहा है। उन्होंने कहा, ''हालांकि यह गहरी चिंता का विषय है कि वर्तमान भाजपा सरकार ने व्यवस्थित रूप से इसे कमजोर कर दिया है। इसके लिए बजट आवंटन 86,000 करोड़ रुपये पर स्थिर बना हुआ है, जो जीडीपी के प्रतिशत के रूप में दस साल का सबसे कम प्रतिशत है।'' उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति के हिसाब से देखा जाए तो प्रभावी बजट में 4,000 करोड़ रुपये की गिरावट है। उन्होंने कहा कि अनुमान है कि आवंटित धन का लगभग 20 प्रतिशत, पिछले वर्षों से लंबित बकाया चुकाने के लिए उपयोग किया जाएगा। पिछले साल फरवरी में राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद से यह दूसरा अवसर था जब सोनिया गांधी ने शून्यकाल के दौरान कोई मुद्दा उठाया है। इससे पहले उन्होंने जल्द से जल्द जनगणना कराए जाने की मांग उठाई थी ताकि सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत गारंटीकृत लाभ मिल सके। शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने यह भी कहा था कि खाद्य सुरक्षा, विशेषाधिकार नहीं बल्कि नागरिकों का एक मौलिक अधिकार है।

शिकायतों पर राहुल और सोनिया गांधी का एक्शन

पटना के बापू सभागार में राहुल गांधी का कार्यक्रम था। कार्यक्रम के दौरान कई कांग्रेस के नेता गेट पर बड़े-बड़े बैनर लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद के खिलाफ नारे लगाये जा रहे थे। इस संबंध में वहां मौजूद कार्यकर्ता उनपर गबन करने और तानाशाह होने का आरोप लगा रहे थे। कार्यकर्ता यह भी कह रहे थे कि हमने अखिलेश सिंह के कारनामों की शिकायत आला कमान यानी सोनिया गाँधी और राहुल गाँधी तक पहुंचाई है। उनलोगों ने आश्वासन भी दिया है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। अब आज कांग्रेस पार्टी ने अखिलेश प्रसाद सिंह की छुट्टी कर दी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

तारीख पर तारीख से कब निकलेगी व्यवस्था

हजारों लोग न्याय के लिए हर दिन न्यायालयों के चक्कर काटते हैं। आंकड़े गवाह हैं कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं अगर हम हर मुकदमे से परिवार के 5-6 लोगों को भी प्रभावित मानकर चलें तो केवल इन कोर्ट में ही देश की 25 से 30 करोड़ आबादी न्याय की प्रतीक्षा कर रही है।

हमारे देश में कभी इस बात पर गंभीरता से चर्चा नहीं होती कि नीचे से लेकर ऊपर तक विभिन्न न्यायालयों में 50-60 करोड़ पीड़ित न्याय के लिए वर्षों से चक्कर काट रहे हैं। आखिर यह क्यों नहीं सोचा जाता कि इन्हें समय पर न्याय मिलना चाहिए, क्यों न्यायालय में तारीख पर तारीख पड़ती रहती है? पीड़ित मीलों चलकर न्याय की आस में न्यायालय आते हैं और निराश लौट जाते हैं, क्यों कोई इनकी फिक्र नहीं करता? आज हम सभी कुछ विश्व स्तरीय बनाने की ओर अग्रसर हैं, लेकिन न्याय व्यवस्था को सुधारने मे किसी की भी रुचि नहीं है। आज भी हमारी न्याय व्यवस्था अंग्रेजों के बनाए कानूनों पर ही निर्भर है। व्यवस्था में कोई खास बदलाव हम नहीं कर पाए। हजारों लोग न्याय के लिए हर दिन न्यायालयों के चक्कर काटते हैं। आंकड़े गवाह हैं कि सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पांच करोड़ से अधिक मामले लंबित हैं अगर हम हर मुकदमे से परिवार के 5-6 लोगों को भी प्रभावित मानकर चलें तो केवल इन कोर्ट में ही देश की 25 से 30 करोड़ आबादी न्याय की प्रतीक्षा कर रही है।

इसके अलावा तहसील, एडीएम और एसडीएम की अदालतों में भी काफी मुकदमे लंबित हैं। न्याय की प्रतीक्षा में 30-35 वर्ष लगना तो सामान्य बात हो गई है। फैसला आने तक दूसरी-तीसरी पीढ़ी आ जाती है। वर्षों बाद अगर निचली अदालतों का फैसला आ भी जाए तो ऊपरी अदालत में अपील होती है। सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचने में फिर 25-30 साल लग जाते हैं। जरा सोचिए, कैसा न्याय मिला?उदाहरण के तौर पर गांव में अगर दबंग लोगों ने किसी की जमीन या मकान पर अवैध कब्जा कर लिया और उसे न्याय के लिए सालों इंतजार करना पड़ा तो जीवन के अंतिम पड़ाव पर उस न्याय का क्या मतलब? दिल्ली की एक विशेष अदालत ने 1984 में सिख विरोधी दंगों के दौरान दो सिखों की हत्या से संबंधित मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को फरवरी 2025 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्याय में 41 वर्ष लगे, क्या पीड़ित परिवार को इस इंसाफ से सुकून मिला होगा? दिल्ली दंगों में 2733 लोग मारे गए थे, 240 को अज्ञात बताकर मुकदमा बंद कर दिया गया। 250 आरोपी छूट गए। इसी तरह 1971 में पंचकूला में एक कर्नल के मकान पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया था। मुकदमा डिस्ट्रिक्ट न्यायालय में अभी भी चल रहा है। 54 वर्ष बीत चुके हैं। अगर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से न्याय मिल भी जाए तो हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे खुले हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इतिहास के स्याह पक्ष से सबक लेने का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के युवा किसान कैलाश नागरे को पांच साल पहले युवा किसान पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें यह सम्मान कृषि-कार्य में उल्लेखनीय सफलता पाने और किसानों में जागरूकता लाने के लिए किये गये प्रयासों के कारण मिला था। पांच दिन पहले कैलाश नागरे ने आत्महत्या कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आत्महत्या का कारण यह था कि कैलाश भरसक प्रयास के बावजूद सरकार को उनके इलाके के खेतों में किसानों तक पानी पहुंचाने की मांग नहीं मनवा सके थे। इसलिए हताशा में कैलाश ने यह आत्मघाती कदम उठाया है। वैसे भी किसानों की आत्महत्याओं का सिलसिला महाराष्ट्र में थमने का नाम नहीं ले रहा। पिछले पांच महीनों में देश के इस उन्नत समझे जाने वाले राज्य में एक हज़ार से अधिक किसान आत्महत्या कर चुके हैं। विकास के दावों के बावजूद महाराष्ट्र सरकार पर ऋण का बोझ लगातार बढ़ रहा है। सन् 2014 में यह राशि 2.94 लाख करोड़ रुपये थी- 2024 में यह राशि बढ़कर 7.82 लाख करोड़ रुपये है।

यह कुछ आंकड़े हैं जो चौंकाते भी हैं और परेशान भी करते हैं। परेशान इसलिए भी कि इन विषयों पर राज्य में चर्चा भी नहीं हो रही। इस बारे में न सरकार कुछ बोल रही है और न ही विपक्ष कुछ करता दिखाई दे रहा है। यह सब भुलाकर राजनीति के गलियारों में आज चर्चा एक ऐसे बादशाह की कब्र को लेकर हो रही है, जिसे मरे हुए सात सौ साल से अधिक हो चुके हैं। चर्चा ही नहीं हो रही आंदोलन शुरू हो गया है सारे राज्य में। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे संगठनों ने तो घोषणा कर दी है कि यदि महीने भर के भीतर सरकार इस कब्र को नष्ट नहीं कर देती तो उनके लाखों कार्यकर्ता 'कार सेवा करके' यह काम करेंगे। जहां तक सरकार का सवाल है राज्य के भाजपाई मुख्यमंत्री इसे एक 'दुर्भाग्य' बता रहे हैं कि उन्हें औरंगजेब जैसे बादशाह की कब्र की रक्षा का दायित्व निभाना पड़ रहा है। फिर भी उन्होंने घोषणा की है कि वे औरंगजेब का महिमामंडन नहीं होने देंगे।

जी हां, विवादों के केंद्र में जो कब्र है वह मुगल बादशाह औरंगजेब की है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद में 717 साल पहले औरंगजेब की मृत्यु हुई थी, और वहीं उसे दफना दिया गया था। औरंगजेब की इच्छा के अनुसार इस सादी-सी कब्र के ऊपर छत भी नहीं बनायी गयी थी। पहले छत्रपति शिवाजी

महाराज और फिर उनके बाद मराठा शासकों को हराने में औरंगजेब को पूरी सफलता कभी नहीं मिल पायी। वह मराठा शासन को समाप्त करना चाहता था, पर उसी मराठा-भूमि में उसे अपने प्राण त्यागने पड़े! यह सब हमारे इतिहास का हिस्सा है। औरंगजेब की क्रूरता से सब परिचित हैं। यह भी सही है कि उसने जनता पर कई तरह से अत्याचार किये। यह भी जग जाहिर है कि उसने अनेक हिंदू मंदिरों को तोड़ा। यहां अनेक का मतलब सैकड़ों से लेकर हजारों तक बताया जाता है। उसकी क्रूरता का आलम यह था कि गद्दी हथियाने के लिए उसने अपने भाई को मरवा डाला, अपने पिता शाहजहां को आगरा के किले में बंदी बनाकर रखा, उसे पीने के लिए पानी भी नाप के दिया जाता था। औरंगजेब की क्रूरता हमारे इतिहास का हिस्सा है। इसी तरह यह भी एक हकीकत है कि इस क्रूर शासक ने लगभग पचास साल तक राज किया था। इस दौरान उसने मंदिर तुड़वाये भी और मंदिर बनवाये भी। औरंगजेब ने वह सब किया जो कोई क्रूर शासक करता है। शिवाजी महाराज का तो वह कुछ बिगाड़ नहीं सका, पर उनके बाद छत्रपति संभाजी महाराज के साथ उसने जो क्रूरता बरती वह अपने आप में किसी पराकाष्ठा से कम नहीं थी। छत्रपति संभाजी महाराज की गाथा इन दिनों सुनी-सुनायी जा रही है। उनके जीवन-चरित्र को लेकर बनी चर्चित फिल्म 'छावा' ने औरंगजेब के अत्याचारों को फिर से चर्चा का विषय बना दिया है। संभाजी नगर में औरंगजेब की कब्र को नष्ट करने की मांग से भी इस फिल्म का रिश्ता है। मांग यह की जा रही है कि यह कब्र एक क्रूर शासक को महिमामंडित करती है, इसलिए इसे तत्काल नष्ट कर दिया जाना चाहिए।

दुर्भाग्य की बात यह है कि इस सारे विवाद को सांप्रदायिक रंग दिया जा रहा है। औरंगजेब मुस्लिम शासक था, उसने मंदिर तोड़े थे, उसने जजिया कर लगाया था, वह हद दर्जे का क्रूर था, ये सारी बातें अपनी जगह सही हैं। लेकिन हकीकत यह भी है कि औरंगजेब का होना हमारे इतिहास का एक अध्याय है। इतिहास से सीखने के लिए जरूरी है उसे याद रखा जाये। याद रखने का यह मतलब कतई नहीं है कि यह उसका महिमा-मंडन है। याद रखने का मतलब यह है कि हम इस बात के प्रति जागरूक रहें कि फिर कोई शासक औरंगजेब की तरह हम पर अत्याचार न कर सके।

बढ़ती उम्र थामने के लिए विज्ञान की पहल

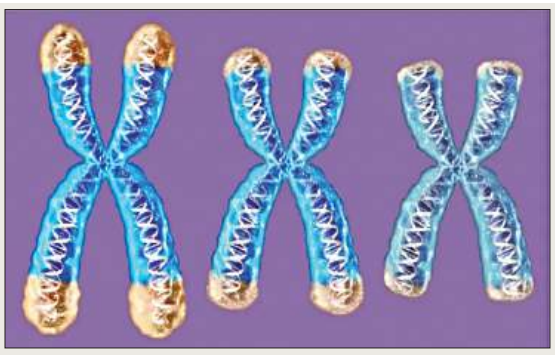

मुकुल व्यास

दुनिया के वैज्ञानिक पिछले कुछ सालों से कोशिका के स्तर पर मानव जीवन काल बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से कारक आयु-वृद्धि को बढ़ावा देते हैं। वे यह भी जानने का प्रयास कर रहे हैं कि क्या उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को पलटा जा सकता है। उनकी रिसर्च का मुख्य फोकस टेलोमियर पर है क्योंकि उसके छोटा होने पर बुढ़ापा आता है। आखिर टेलोमियर क्या होते हैं? टेलोमियर दरअसल कोशिका के नाभिक में स्थित गुणसूत्रों (क्रोमोसोम) के सिरों पर एक सुरक्षात्मक संरचना है जो जूते के फीते की नोक की तरह काम करती है। टेलोमियर कोशिकाओं के डीएनए को सुरक्षित रखने और कोशिकाओं की वृद्धि और विभाजन को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समय के साथ टेलोमियर छोटे होते जाते हैं। इसकी वजह से कोशिकाएं स्वस्थ विकास के लिए विभाजित होने की अपनी क्षमता खो देती हैं और कुछ अंतत: मरने लगती हैं।

मनुष्यों में कोशिका के स्तर पर टेलोमियर का अध्ययन हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। अब वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने बुढ़ापा-रोधी शोध को आगे बढ़ाने के लिए मानव जैसे छोटे टेलोमियर वाले चूहे विकसित किए हैं। मानव जैसे छोटे टेलोमियर मानव शरीर और अंगों में आयु वृद्धि के अध्ययन को आसान बनाते हैं। आम तौर पर चूहों में टेलोमियर मनुष्यों की तुलना में 10 गुना लंबे होते हैं। इस अध्ययन के मुख्य शोधकर्ता जिएयू जू ने कहा कि यह वास्तव में मानवकृत टेलोमियर वाला पहला माउस मॉडल है क्योंकि इस मॉडल में टेलोमियर वयस्क ऊतकों में व्यक्त नहीं होता है। जू ने कहा कि अब हमारा लक्ष्य यह देखना है कि चूहों में उम्र कैसे बढ़ती है। आनुवंशिक रूप से संशोधित चूहे जू की टीम को कई शोध परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में सक्षम बना रहे हैं। दरअसल, रिसर्च के मुख्य क्षेत्रों में यह अध्ययन करना शामिल है कि कैसे छोटे टेलोमियर कैंसर के विकास की संभावना को कम करते हैं और मानव जीवनकाल को प्रभावित करते हैं।

अध्ययन का एक दूसरा लक्ष्य उम्र से संबंधित बीमारियों से मुक्त जीवन की अवधि को बढ़ाने के लिए रणनीतियों की खोज करना भी है। भविष्य की दवाओं और उपचारों के विकास के लिए इस शोध के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं। दीर्घावधि में यह बुढ़ापा रोधी रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है जिनका उद्देश्य टेलोमियर की रक्षा करने के लिए कोशिकाओं को सक्रिय करना और जीवन काल को बढ़ाना है। कई बीमारियां कोशिका के स्तर पर उत्पन्न होती हैं, इसलिए दवाओं को लक्षित करना एक सामान्य रणनीति है। शोधकर्ता यह अध्ययन भी कर रहे हैं कि नींद मानव स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है। संशोधित चूहों का उपयोग यह देखने के लिए किया जाएगा कि नींद की कमी और जीवन के अन्य तनावों का टेलोमियर विनियमन और उम्र वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ता है। इन विशेष चूहों का विकास 10 साल पहले शुरू हुआ था। टेलोमियर उम्र वृद्धि को कैसे नियंत्रित करते हैं, पहले इसका अध्ययन पेट्री दूध में अलग-अलग मानव कोशिकाओं का उपयोग करके किया जाता था।

नए माउस मॉडल की खासियत यह है कि इससे पूरे जीव में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया का निरीक्षण किया जा सकता है। शोधकर्ताओं को उम्मीद है कि आयु-वृद्धि, मानव दीर्घायु और कैंसर पर अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए संशोधित चूहों को अन्य शोध टीमों के साथ साझा किया जाएगा। नया माउस मॉडल दुनिया भर के विज्ञानियों को इन प्रक्रियाओं का पता लगाने के लिए एक मूल्यवान उपकरण प्रदान कर सकता है। एक दिलचस्प बात यह है कि कुछ जीवों ने अस्थायी रूप से उम्र वृद्धि की प्रक्रिया को उलटने का तरीका खोज लिया है। अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया की एक टीम द्वारा किए गए नए शोध के अनुसार मेडागास्कर का बौना लीमर कोशिका के स्तर पर उम्र बढ़ने की घड़ी को पीछे कर सकता है। उन्होंने पाया कि चूहे जैसा यह प्राइमेट जानवर अपने वार्षिक हाइबरनेशन (शीतनिद्रा) सीजन के दौरान समय को थाम सकता है। बायोलॉजी लैटर्स में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार बौने लीमर के पास अपने टेलोमियर को छोटा होने से रोकने और उन्हें लंबा करने का एक तरीका है, जिससे उनकी कोशिकाओं को कुछ समय के लिए प्रभावी रूप से फिर से जीवंत किया जा सकता है। अध्ययन की प्रमुख लेखक मरीना ब्लैंको ने कहा कि यह सब शीतनिद्रा के दौरान होता है। जब जंगल में सर्दी शुरू होती है, तो बौने लीमर पेड़ों के छेदों या भूमिगत बिलों में गायब हो जाते हैं, जहां वे हर साल सात महीने तक निलम्बित अवस्था में रहते हैं।

यह भोजन की कमी के समय में जीवित रहने की एक रणनीति है। मेटाबोलिज्म अथवा चयापचय की धीमी गति की इस अवधि के दौरान उनकी हृदय गति लगभग 200 धड़कन प्रति मिनट से आठ से भी कम हो जाती है। वे हर 10 मिनट या उससे भी कम समय में केवल एक सांस लेते हैं। बौने लीमर ठंडी अवस्था में लगभग एक सप्ताह तक रह सकते हैं। उसके बाद उन्हें थोड़े समय के लिए गर्म होना पड़ता है। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने शीतनिद्रा से पहले, उसके दौरान और उसके बाद ड्यूक लीमर सेंटर में 15 बौने लीमर का अनुसरण किया। उनके गालों से लिए गए नमूनों का परीक्षण करके यह पता लगाया कि समय के साथ उनके टेलोमियर में कैसे बदलाव हुए। उन्हें शीतनिद्रा में मदद करने के लिए, शोधकर्ताओं ने थर्मोस्टेट को धीरे-धीरे 21 डिग्री सेल्सियस से 10 के मध्य तक कम कर दिया।

एक गिलास दूध हड्डियों को मजबूत करने के साथ कैंसर से भी बचाता है

अच्छी सेहत के लिए सभी लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक चीजों को सेवन करना चाहिए। इसलिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी उम्र के लोगों को रोजाना एक गिलास दूध जरूर पीना चाहिए। दूध को संपूर्ण आहार माना जाता है, ये कैल्शियम के साथ-साथ कई प्रकार के विटामिन्स का भी खजाना है। हड्डियों और दांतों की मजबूती के लिए दूध या अन्य डेयरी उत्पादों को आहार का हिस्सा बनाना आपके लिए बहुत लाभकारी हो सकता है। लेकिन दूध से होने वाले लाभ सिर्फ हड्डियों और दांतों को सेहतमंद रखने तक ही सीमित नहीं है? बल्कि दूध आपको कैंसर के खतरे से भी बचाने में मददगार है। इन फायदों को देखते हुए सभी लोगों को दूध को आहार में जरूर शामिल करना चाहिए।

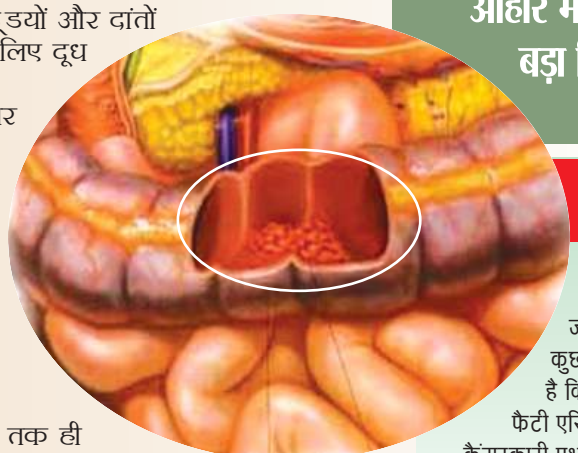

मजबूत दांत

दूध कैल्शियम के लिए सबसे अच्छा स्रोत है, और यह वही है जो आपके दांतों की आवश्यकता है। इसके अलावा, दूध कैविटीज और दांतों की सड़न को रोकने में मदद करता है। विटामिन डी के आसपास होने पर कैल्शियम केवल आपके शरीर द्वारा अवशोषित किया जा सकता है, इसलिए सुनिश्चित करें कि आप जो दूध पीते हैं वह विटामिन डी से फोर्टीफाइड हैं।

गर्भावस्था में भी है फायदेमंद

अगर आप प्रेग्नेंसी में हाइड्रेटिड और तनाव से दूर रहना चाहती हैं तो एक गिलास दूध इसमें आपकी मदद कर सकता है। दूध पीने से शरीर में तरल पदार्थों की कमी नहीं होती है। गर्भावस्था में सीने में जलन और एसिडिटी होना आम बात है। नॉन-फैट या लो फैट दूध पीने से कुछ हद तक सीने में जलन के लक्षणों से राहत मिल सकती है। गर्भावस्था के दौरान विटामिन डी लेने से रिकेट्स और जन्म के समय वजन कम होने का खतरा घटता है। इसलिए प्रेग्नेंसी में दूध पीना मां और बच्चे दोनों के लिए ही फायदेमंद माना जाता है।

आहार में प्रतिदिन अतिरिक्त 300 मिलीग्राम कैल्शियम (दूध का एक बड़ा गिलास के बराबर) आपके जोखिम को 17 प्रतिशत तक कम करने में सहायक हो सकता है।

कैंसर से ऐसे बचाता है कैल्शियम

कैल्शियम को हड्डियों को मजबूत बनाने और दांतों को स्वस्थ रखने के लिए एक महत्वपूर्ण खनिज के रूप में जाना जाता रहा है, अब इस बात के प्रमाण मिले हैं कि यह कुछ प्रकार के कैंसर से भी बचाता है। अध्ययन में कहा गया है कि आपकी बड़ी आंत में कैल्शियम पित्त एसिड और फ्री फैटी एसिड के साथ बाइंड हो जाता है, जिससे इनके संभावित कैंसरकारी प्रभाव कम हो जाते हैं। डेयरी उत्पादों के अलावा साबुत अनाज, फल, कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और विटामिन-सी के सेवन से भी कैंसर का खतरा कम हो सकता है, लेकिन इसका असर कम देखा गया है। दूध और कैल्शियम युक्त अन्य पदार्थ आपकी सेहत के लिए बहुत लाभकारी हो सकते हैं।

वजन घटाना और तनाव कम करता है

अध्ययनों से साबित हुआ है कि जो महिलाएं रोजाना दूध पीती हैं, उन महिलाओं का वजन कम होता है उन महिलाओं की तुलना में जो दूध नहीं पीती हैं। इसलिए रोजाना नाश्ते में एक गिलास दूध पीना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है। दूध में विटामिन्स और मिनरल्स होता है जो स्ट्रेस रिलीवर की तरह काम करता है। अधिक काम करने के बाद थकावट होती है, ऐसे में एक गिलास गर्म दूध आपको रिलैक्स करने में मदद करता है। इसके अलावा यह मांसपेशियों में होने वाली खिंचाव को भी कम करता है, और नर्व्स को राहत पहुंचाता है।

हंसना मना है

कुछ दोस्त ऐसे हैं जो घर से बीवी की लात खाकर आते हैं और दोस्तों से कहते फिरते हैं आज तो मैं लेग पीस खाकर आया हूं।

आदित्य अपनी गर्लफ्रेंड के पिता से मिलने गया, लड़की का पिता: मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी अपनी पूरी जिंदगी एक मूर्ख इंसान के साथ गुजारे। आदित्य: बस अंकल, इसीलिए तो मैं उसे यहां से ले जाने आया हूं। दे जूते। दे चप्पल !

रुपेश : पापा मुझे एक लड़की पसंद है, मैं उससे शादी करना चाहता हूं। पापा: क्या वो भी तुझे पसन्द करती है? रुपेश: हां जी हां। पापा: जिस लड़की की पसन्द ऐसी हो मैं उसे अपनी बहू नहीं बना सकता।

सरदार दुखी था। किसी ने पुछा: क्यों टेंशन में हो? सरदार: यार एक दोस्त को प्लास्टिक सर्जरी के लिए 2 लाख दिए, अब साले को पहचान नहीं पा रहा हूं।

पापा और 15 साल का बेटा एक होटल में गए, पापा -वेटर एक बियर और एक आईसक्रीम लाओ, बेटा-आईसक्रीम क्यों पापा, आप भी बियर लीजिये ना, दे.. चप्पल... पे.... चप्पल!

पापा: नालायक, तुमने अपनी मम्मी से ऊंची आवाज में बात क्यों की? बेटा: मुझे पता है पापा आपको जलन हो रही है क्योंकि आप ऐसा नही कर सकते।

कहानी | मुल्ला नसरुद्दीन की दावत

एक बार मुल्ला नसरुद्दीन को पास के शहर से दावत का न्योता मिला। मुल्ला ने रोज पहनने वाले कपड़े पहने और दावत के लिए घर से निकल गए। सफर के दौरान उनके कपड़े धूल-मिट्टी से गंदे हो गए। जब वे दावत के लिए पहुंचे तो घर के बाहर पहरा दे रहे दरबान ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया। उन्होंने दरबान से कहा, मैं मुल्ला नसरुद्दीन हूं। मैं इस दावत का खास मेहमान हूं। दरबान ने हंसते हुए कहा, वो तो दिखाई दे रहा है। फिर दरबान ने कहा, अगर तुम नसरुद्दीन हो, तो मैं खलीफा हूं। यह सुनकर अन्य दरबान जोर-जोर से हंसने लगे। फिर दरबान ने उन्हें वहां से जाने के लिए कहा और दोबारा आने से मना कर दिया। मुल्ला वहां से चले गए। जिस शहर में दावत थी, उसी के पास मुल्ला का एक मित्र रहा करता था। वह अपने मित्र के घर चले गए। मुल्ला अपने मित्र से मिलकर खुश हुए। उन्होंने सारी बातें अपने मित्र को बताई। फिर उन्हें याद आया कि उनके मित्र ने उनके लिए एक लाल कढ़ाईदार शेरवानी सिलाई थी, मुल्ला ने अपने मित्र से पूछा कि क्या वह शेरवानी अभी भी आपके पास है? उनके मित्र ने कहा, शेरवानी अभी भी अलमारी में टंगी है। मित्र ने शेरवानी मुल्ला को दे दी। मुल्ला ने मित्र का शुक्रिया किया और शेरवानी पहनकर दावत के लिए निकल गए। इस बार जब दरवाजे पर पहुंचे, तो दरबान ने उन्हें सलाम किया और बाइज्जत दावतखाने तक ले गया। मुल्ला के स्वागत में बड़े-बड़े लोग खड़े थे। फिर मुल्ला को खास मेहमान की कुर्सी पर बैठाया गया। उनके बैठने के बाद ही बाकी सभी मेहमान बैठे। सभी की नजर मुल्ला पर ही थी। मुल्ला को खाने में सबसे पहले शोरबा परोसा गया। मुल्ला ने शोरबा उठाया और अपनी शेरवानी पर उड़ेल दिया। यह देख सब हैरान रह गए। एक ने उनसे पूछा, आपकी तबियत तो ठीक है न? जब सब ने बोलना बंद कर दिया तब मुल्ला ने अपनी शेरवानी से कहा, उम्मीद है कि तुम्हें शोरबा लजीज लगा होगा। अब तुम्हें समझ में आ गया होगा कि दावत पर मुझे नहीं, बल्कि तुम्हें बुलाया गया था।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है।

वृषभ स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

कर्क घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी।

सिंह प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कन्या दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें।

तुला उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। भाग्य का साथ मिलेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृश्चिक अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं।

धनु अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा।

कुम्भ पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मीन क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

'कुछ कुछ होता है' में रोल्स को लेकर मैं काम करने से मना कर दिया था : ऐश्वर्या

ऐश्वर्या राय बच्चन का फिल्मी करियर दो दशक लंबा रहा है। उन्होंने अपने करियर के दौरान कई फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए। उन्होंने ये ऑफर अपनी स्टार वाली छवि को देखते हुए ठुकराए थे। जबकि कुछ ऑफर की वजह से उन्हें बहुत शोहरत मिली। करण जौहर ने ऐश्वर्या राय को फिल्म कुछ-कुछ होता है फिल्म ऑफर की थी लेकिन ऐश्वर्या ने इसमें काम करने से मना कर दिया। कुछ कुछ होता है फिल्म में ऐश्वर्या राय को रानी मुखर्जी का रोल अदा करने के लिए दिया गया था। फिल्म में रानी मुखर्जी शाहरुख खान की पहली प्यार थीं। लेकिन ऐश्वर्या राय ने इस रोल को करने से मना कर दिया था। इसकी वजह यह थी कि उनको लग रहा था ये रोल लोगों को पसंद नहीं आएगा और इस पर उन्हें बहुत नाकारात्मक प्रतिक्रिया देंगे। ऐश्वर्या ने फिल्मफेयर से बातचीत में बताया कि फिल्म में अपने किरदार को लेकर ठीक नहीं थीं। उनको लग रहा था कि इस फिल्म में अगर वह यह किरदार अदा करेंगी और इस पर नकारात्मक प्रतिक्रिया आएगी तो उन्हें बुरा लगेगा। ऐश्वर्या ने कहा अगर मैं ये फिल्म करती, तो लोग इस पर हंसी उड़ाते कि देखो ऐश्वर्या वही कर रही हैं जो वह मॉडलिंग के दिनों में कर रही थीं। क्या आपको पता है कि अगर मैं कुछ कुछ होता है फिल्म करती तो मेरे फैंस मुझे मार देते। जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि फिल्म में रानी मुखर्जी ने जो रोल किया है वह रोल ट्विंकल खन्ना, उर्मिला मातोंडकर और तब्बू को भी ऑफर किया गया था। इन लोगों ने अलग-अलग वजहों से इसे रिजेक्ट किया था। आपको बता दें कि कुछ कुछ होता है फिल्म में रानी मुखर्जी का रोल टीना मलहोत्रा को लोगों को खूब पसंद आया। इसे लोगों ने बहुत प्यार किया। ऐश्वर्या राय बच्चन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार पोन्नियिन सेलवन-II में नजर आई थीं।

कीर्ति सुरेश के हाथ लगी नई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म!

कीर्ति सुरेश ने वरुण धवन के साथ बेबी जॉन से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। वहीं, अब अभिनेत्री की नई फिल्म से जु?ी दिलचस्प जानकारी सामने आ रही है। खबर है कि वह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

हालांकि कीर्ति की नई फिल्म पर आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है, लेकिन रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अभिनेत्री को एक अनटाइटल्ड रोमांटिक-कॉमेडी प्रोजेक्ट के लिए संपर्क किया गया है। फिल्मफेयर के अनुसार, फिल्म के निर्माता कीर्ति सुरेश के साथ काम करने के इच्छुक हैं। अगर बातचीत सफल होती है तो फिल्म में एक नए अवतार में नजर आएंगी। अभिनेत्री एक ऐसे किरदार में नजर आएंगी जो मजेदार और मनोरंजक है।

निर्माता फिलहाल शीर्षक, कहानी और कलाकारों के नामों को गुप्त रख रहे हैं। कीर्ति के पास दो रोमांचक तमिल प्रोजेक्ट भी हैं- रिवॉल्वर रीटा और कन्निवेदी। बेबी जॉन की बात करें तो यह इंस्पेक्टर सत्या वर्मा (वरुण धवन) की कहानी है, जिसे बेबी जॉन के नाम से जाना जाता है। सत्या अपनी बेटी खुशी (जारा ज्याना) और अपने पुराने दोस्त राम सेवक (राजपाल यादव) के साथ केरल में एक शांतिपूर्ण जीवन जीता है। हालांकि, उसकी शांत जिंदगी में तब बदलाव आता है जब खुशी की शिक्षिका, जिसका किरदार वामिका गब्बी ने निभाया है, एक उग्र और निर्दयी इंस्पेक्टर के रूप में उसकी छिपी हुई पहचान को उजागर करती है।

यह कहानी दर्शकों को छह साल पहले ले जाती है, बेबी जॉन शादीशुदा था और बाबर शेर (जैकी श्रॉफ) के खिलाफ लड़ रहा था, जो युवा महिलाओं का शोषण करने वाला एक शक्तिशाली व्यक्ति है। कहानी तब शुरू होती है, जब बेबी जॉन अपनी पत्नी मीरा (कीर्ति सुरेश) के लिए न्याय चाहता है और शोषण और भ्रष्टाचार से लड़ने की यात्रा पर निकलता है।

चिरंजीवी की अगली फिल्म विश्वंभरा में हुई अदिति राव हैदरी की एंट्री!

अदिति राव हैदरी को लेकर खबर है कि वह अनिल रविपुडी द्वारा निर्देशित एक आगामी प्रोजेक्ट में मेगास्टार चिरंजीवी के साथ काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस अनाम फिल्म में अदिति राव हैदरी को मुख्य अभिनेत्री तौर पर कास्ट किया जाएगा। यह साउथ अभिनेता सिद्धार्थ के साथ उनकी शादी के बाद पहली फिल्म होगी।

चिरंजीवी फिलहाल वशिष्ठ द्वारा निर्देशित और यूवी क्रिएशन द्वारा निर्मित विश्वंभरा के निर्माण में व्यस्त हैं। फिल्म के शानदार विजुअल ट्रीट की उम्मीद है और इसे जल्द ही रिलीज किए जाने की संभावना है। विश्वंभरा की शूटिंग पूरी करने के बाद चिरंजीवी एक अन्य फिल्म के लिए निर्देशक श्रीकांत ओडेला के साथ काम करेंगे। अदिति राव हैदरी ने सिद्धार्थ से शादी के बाद से किसी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है। हालांकि, अगर वह चिरंजीवी की फिल्म में भूमिका निभाती हैं तो इसका मतलब होगा कि यह उनके लिए तेलुगु सिनेमा में वापसी होगी और शादी के बाद उनकी पहली बड़ी फिल्म भी होगी। प्रशंसक इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में उनके शामिल होने की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं। अदिति राव हैदरी को आखिरी बार नेटफ्लिक्स की हीरामंडी- द डायमंड बाजार में देखा गया था, जो 2024 की हिंदी भाषा की पीरियड ड्रामा सीरीज है। यह संजय लीला भंसाली द्वारा निर्मित और निर्देशित है। यह शो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाहौर के हीरा मंडी में वेश्याओं के जीवन पर केंद्रित है।

अजब-गजब | इस आइसलैंड पर नौकरी का मिल रहा है अनोखा ऑफर

सप्ताह में 42 घंटे काम के मिल रहे हैं 1.5 करोड़

दुनियाभर में कई खूबसूरत द्वीप हैं, जहां लोग छुट्टियां बिताने जाते हैं। इसके लिए वे लाखों रुपए खर्च करते हैं। ऐसे में आज हम आपको एक ऐसे खूबसूरत आइलैंड के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर आपको रहना-खाना सबकुछ मुफ्त मिलेगा। इसके अलावा अगर आप यहां पर गए तो रहने के बदले में 1.5 करोड़ रुपये भी मिलेगा। लेकिन एक शर्त है, अगर आप इसमें फिट नहीं बैठते तो आपके लिए ये जगह नहीं है। अगर मामला जम गया तो वारे-न्यारे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उइस्ट और बेनबेकुला नाम का यह आइलैंड स्कॉटलैंड के पश्चिमी तट पर बसा हुआ है। अभी यहां सिर्फ 40 लोग रहते हैं। लेकिन आने वाली गर्मियों में इस आइलैंड पर बहुत सारे टूरिस्ट पहुंचने की संभावना है। इसका ध्यान रखते हुए वहां के प्रशासन ने कुछ नौकरियां निकाली हैं, ताकि टूरिस्ट्स का विशेष ध्यान रखा जा सके। पहली पोस्ट एक जनरल प्रैक्टशियन यानी डॉक्टरों की है। लेकिन उसके लिए जो सुविधाओं की बात कही गई है, वह वास्तव में काफी अलग और अनोखी हैं। सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी वायरल हो रही है। वायरल हो रहे पोस्ट के मुताबिक, एनएचएस वेस्टर्न आइल्स की ओर जारी की गई भर्ती में कहा गया है कि डॉक्टर को 1 करोड़ सालाना सैलरी मिलेगी, जो ब्रिटेन के डॉक्टरों से

लगभग 40 प्रतिशत ज्यादा है। इसके अलावा 8 लाख रुपये ट्रांसफर एलाउंस, 1.3 लाख रुपये वर्किंग एलाउंस और 11 लाख रुपये गोल्डन एलाउंस अलग से मिलेगा।

ऊपर दिए गए तमाम खर्चों को जोड़ दिया जाए तो तकरीबन 1.5 करोड़ रुपये मिलेंगे। इतना ही नहीं, हफ्ते में सिर्फ 40 से 42 घंटे ही काम करना होगा। जो आवेदक इस द्वीप पर काम करना चाहते हैं, उनकी ग्रामीण चिकित्सा में रुचि होनी चाहिए। इसके अलावा, आपके पास तटीय क्षेत्रों में काम करने का अनुभव भी जरूरी है। यहां केवल बाहरी लोगों को ही काम करने का अवसर दिया जाएगा।

वायरल हो रहे नौकरी के विज्ञापन में लिखा है, चमचमाते द्वीप पर आपका स्वागत है। भर्तियां बेनबेकुला मेडिकल प्रैक्टिस पर आधारित होंगी। बता दें कि यहां एक स्कूल भी है, जिसके लिए प्रिंसिपल और टीचर्स की तलाश है। स्कूल में 5 से 11 साल के केवल 5 छात्र हैं, जबकि 2 छात्र नर्सरी में हैं, जिनकी आयु चार साल के करीब है। प्रिंसिपल के पद पर चयनित उम्मीदवार को तकरीबन 62 लाख रुपये वेतन दिया जाएगा। साथ में 6 लाख रुपये भत्ता भी मिलेगा। इन्हें भी कई और सुविधाएं दी जाएंगी, जो आमतौर पर टीचर्स को नहीं मिलतीं। हालांकि, यह पोस्ट अभी भले ही वायरल हो रहा हो, लेकिन जब हमने इसकी जांच की तो पाया कि ये वैकेंसी पिछले साल निकाली गई थी।

क्या आपको मालूम है किस चीज से बना होता है 10 रुपये का सिक्का?

भारतीय सिक्कों की रेंज में 10 रुपये का सिक्का सबसे अनोखा है। 10 रुपए का सिक्का दो रंगों में आता है। इसका एक हिस्सा सामान्य सिक्के जैसा ही है, जबकि दूसरा थोड़ा अलग। 10 रुपए के सिक्के में इस पीले रंग का पदार्थ क्या होता है और इसे इस्तेमाल क्यों किया जाता है?10 रुपये के सिक्के का वजन 7.71 ग्राम है। इसमें बाहरी घेरे का वजन 4.45 ग्राम है और मध्य भाग का वजन 3.26 ग्राम है। अगर हम बीच वाले हिस्से की बात करें तो यह कूप्रो निकेल से बना है। भारत में चलने वाला 10 रुपए का सिक्का आमतौर पर दो धातुओं के संयोजन से बनाया जाता है। इसे द्विधात्विक सिक्का कहा जाता है। इस सिक्के की धातु संरचना के बारे में विस्तार से जानना जरूरी है। इसका केन्द्र यानि बीच का हिस्सा 75 प्रतिशत तांबा और 25 प्रतिशत निकेल से बना है। अगर हम बाहरी घेरे यानि पीले भाग की बात करें तो यह एल्युमिनियम कांस्य से बना है। इसमें 92 प्रतिशत तांबा, 6 प्रतिशत एल्युमीनियम और 2 प्रतिशत निकेल है। क्या आपने कभी सोचा है कि इन सिक्कों को बनाने में सरकार को कितना खर्च आता है? हर सिक्के को बनाने का खर्च अलग-अलग होता है। हर सिक्के के धातु और वज़न के मुताबिक उन्हें ढालने में आने वाला खर्च भी अलग-अलग होता है। सरकार को एक रुपये का सिक्का बनाने के लिए 1 रुपया और 11 पैसे खर्च करने पड़ते हैं। 2 रुपये का सिक्का बनाने में 1.28 रुपये का खर्च आता है। 5 रुपये के सिक्के की कीमत 3.69 रुपये है और 10 रुपये के सिक्के की कीमत 5.54 रुपये है। यह लागत 2018 के मुताबिक थी, जो खुद आरबीआई ने बताई थी। ये सभी सिक्के केवल भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किये जाते हैं। करेंसी सिक्के भारतीय प्रतिभूति मुद्रण एवं खनन निगम की ओर से चार टकसालों में तैयार किये जाते हैं। ये कार्यालय मुंबई, हैदराबाद, कोलकाता और नोएडा में स्थित हैं।

भारी हंगामें के बीच एमसीडी का बजट पास

भाजपा और कांग्रेस में तना-तनी जारी

» पार्षदों की धक्का-मुक्की में एक चोटिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का बजट हंगामे के बीच पास हो गया। सदन में भाजपा और कांग्रेस के पार्षदों ने जमकर हंगामा और नारेबाजी की। भाजपा व आप पार्षदों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। इस दौरान आप पार्षद ऊषा शर्मा के हाथ में चोट भी लग गई। वहीं, भाजपा पार्षदों ने बजट की औपचारिकता पूरी करने से रोकने के लिए पूरा प्रयास किया, लेकिन आप पार्षदों ने उन्हें नेता सदन मुकेश गोयल के पास पहुंचने नहीं दिया। इस तरह गोयल ने पार्टी पार्षदों के घेरे में प्रस्ताव पास किए, लेकिन वे बजट भाषण नहीं पढ़ सके। सदन की बैठक शुरू होते ही कांग्रेस पार्षदों ने हंगामा शुरू कर दिया।

इसके बाद भाजपा पार्षद भी हंगामा करने लगे। बजट भाषण व प्रस्तावों की प्रति फाड़ने की आशंका के कारण आप पार्षदों ने मुकेश गोयल को घेरे में ले लिया। इसके बाद भाजपा पार्षदों के हंगामे के कारण गोयल अपनी सीट छोड़कर बेंच लांघते हुए पार्टी पार्षदों की सीटों के बीच जाकर बजट भाषण पढ़ने व प्रस्ताव पास करने की औपचारिकता करने लगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि बजट भाषण पढ़ा हुआ माना जाए। हालांकि, उन्होंने सभी प्रस्तावों को पास व रद्द करने के संबंध में सदन को अवगत कराया। इधर, मुकेश तक पहुंचने में नाकाम होने के बाद भाजपा पार्षद नारेबाजी करते हुए मेयर महेश खींची के आसन तक पहुंच गए और बजट की प्रतियां फाड़कर हवा में उछालने लगे। इतना ही नहीं, मेयर के माइक को भी तोड़ दिया। इसके बाद भाजपा पार्षद मेयर के आसन पर चढ़ गए। इस पर मेयर ने 10 मिनट तक के लिए बैठक स्थगित कर दी। सदन की बैठ दोबारा शुरू होने के बाद भी भाजपा पार्षदों का विरोध जारी रहा, लेकिन मेयर ने नेता सदन के प्रस्तावों को मंजूरी देते हुए बजट पर अंतिम मुहर लगा दी।

आप के साथ भाजपा के भी प्रस्ताव पास

नेता सदन ने भाजपा के 23 में से 6 और आप के 8 में से 6 प्रस्तावों को मंजूरी दी। इस तरह उन्होंने अपने पार्षदों के दो प्रस्तावों को खारिज कर दिया। नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह ने आरोप लगाया कि मेयर ने सदन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन किया और जबरन बजट पास करवाया। वहीं, आप पार्षदों ने भाजपा पर सदन की कार्यवाही बाधित करने और अलोकतांत्रिक व्यवहार करने का आरोप लगाया।

आप-कांग्रेस में सहमति देख भाजपा ने खोला मोर्चा

विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे को कोसने वाली आप व कांग्रेस के एमसीडी बजट पर सहमति की भनक मिलने पर भाजपा पार्षदों ने सदन में हंगामा किया, क्योंकि उन्हें अपने प्रस्ताव पास कराने और आप के प्रस्ताव रद्द कराने में हार तय नजर आ रही थी। बताया जा रहा है कि आप और कांग्रेस के बीच विभिन्न प्रस्तावों खासकर कर्मचारियों को नियमित करने और बजट की राशि में बदलाव को लेकर सहमति बन गई थी। एमसीडी में भाजपा के 117, आप के 112, कांग्रेस के 8 और एक निर्दलीय पार्षद हैं। कांग्रेस व निर्दलीय के समर्थन से आप के पाले में 121 पार्षद आए गए थे, जो भाजपा से चार अधिक थे। ऐसे में बजट के विभिन्न प्रस्तावों पर मतदान की बारी आने पर भाजपा की हार तय थी। इस तरह भाजपा पार्षदों ने बजट पास होने के दौरान मतदान की नौबत पैदा करने से बचने के लिए हंगामा किया।

प्रदेश में सात आईपीएस अधिकारियों के तबादले

» 16 आईपीएस अधिकारियों को मिली नई तैनाती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में इन दिनों आईपीएस अधिकारियों के तबादलों का दौर जारी है। गुरुवार की सुबह सात आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए। इसके पहले बुधवार को 16 आईपीएस अधिकारियों को नई तैनाती मिली थी। गुरुवार की सुबह हुए इन तबादलों में उपेंद्र कुमार अग्रवाल को पुलिस महानिरीक्षक सुरक्षा लखनऊ बनाया गया है। पहले वह पुलिस महानिरीक्षक आर्थिक अपराध में थे। इसी तरह आईपीएस विनोद कुमार सिंह को अपर पुलिस आयुक्त अपराध कानपुर नगर बनाया है पहले वह पुलिस महानिरीक्षक सुरक्षा लखनऊ के पद पर आसीन थे।

आईपीएस अमित वर्मा को संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध लखनऊ बनाया गया है इसके पहले वह संयुक्त पुलिस आयुक्त लखनऊ के पद पर कार्यरत थे। आईपीएस बबलू कुमार को संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था पुलिस कमिश्नरेट बनाया गया इसके पहले वह संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय पुलिस कमिश्नरेट थे। आईपीएस प्रदीप कुमार को पुलिस अधीक्षक आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन वाराणसी बनाया गया इसके पहले वह पुलिस अधीक्षक एएनटीएफ मुख्यालय पर तैनात थे। इसी तरह आईपीएस एसम कासिम को पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर बनाया गया है इसके पहले वह पुलिस अधीक्षक सतर्कता अधिष्ठान उत्तर प्रदेश लखनऊ में कार्यरत थे। आईपीएस मनोज कुमार अवस्थी को पुलिस अधीक्षक कानून एवं व्यवस्था पुलिस महानिदेशक लखनऊ बनाया गया है। इसके पहले वह पुलिस अधीक्षक/अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शाहजहांपुर थे।

परिवार के साथ यात्रा के नियम में नहीं होगा बदलाव

» विदेश दौरे पर परिवार साथ ले जाने की विराट की मांग पर बीसीसीआई सचिव ने दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत की 1-3 से करारी शिकस्त के बाद बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के परिवार के साथ यात्रा करने के लिए नए नियम बनाए थे। इन नीतियों पर हाल ही में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा था कि जब खिलाड़ी दौरे के दौरान खराब दौर से गुजर रहा होता है तो उस वक्त परिवार के सदस्य की भूमिका अहम हो जाती है। अब इस मुद्दे पर बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया का बयान आया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि दौरे के दौरान खिलाड़ियों के परिवार के साथ यात्रा करने को लेकर बनाए गए नियम में कोई बदलाव नहीं होगा।

सैकिया ने कहा, यह राष्ट्र और हमारी संस्था बीसीसीआई दोनों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। बीसीसीआई मानता है कि कुछ असंतोष या अलग-अलग राय हो सकती है, क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को अपने विचार व्यक्त करने का अधिकार है। नीति सभी टीम सदस्यों - खिलाड़ियों, कोचों, प्रबंधकों, सहायक कर्मचारियों और इसमें शामिल सभी लोगों पर समान रूप से लागू होती है - और इसे सभी के सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है। जिसके तहत 45 दिन के दौरे के दौरान खिलाड़ियों के परिवार के सदस्य अधिकतम दो सप्ताह तक ही साथ रह सकते हैं। इससे कम अवधि के दौरे पर खिलाड़ी अधिकतम एक सप्ताह तक ही अपना परिवार साथ में रख सकते हैं। बता दें कोहली ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि लोगों को यह समझाना बहुत कठिन है कि जब भी बाहर हो और आपके साथ कुछ अच्छा नहीं हो रहा है तो उस वक्त परिवार का साथ रहना कितना जरूरी है। मुझे नहीं लगता कि लोगों को इस बात की समझ है कि यह किस हद तक प्रभाव डालता है।

अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर उतरेंगे एमएस धोनी

धोनी ने कुछ साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। आईपीएल नियम के अनुसार पांच साल या इससे अधिक समय पहले संन्यास ले चुके खिलाड़ी को अनकैप्ड प्लेयर माना जाता है इसलिए सीएसके ने आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी से पहले धोनी को अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर रिटेन किया था। धोनी ने हाल ही में संकेत दिए थे कि उनमें कुछ वर्ष और खेलने की क्षमता शेष है। धोनी पिछले सीजन सातवें या आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतर रहे थे। धोनी अंतिम समय में बल्लेबाजी के लिए आते थे और कुछ शानदार शॉट खेलकर प्रशंसकों का मनोरंजन करते दिखे थे। पिछले सीजन के दौरान धोनी कथित तौर पर चोट की समस्या से भी जूझ रहे थे। फैंस को उम्मीद है कि इस सीजन धोनी ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे।

पीएम के पास किसानों से मिलने का समय नहीं

» टीएमसी सांसद ओ ब्रायन ने मोदी के पॉडकास्ट को बताया 'मास्टरक्लास'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य ओ ब्रायन ने अपने ब्लॉगपोस्ट में पॉडकास्ट के प्रमुख शब्दों को उद्धृत करते हुए कहा कि मोदी ने साझा किया कि कैसे वह उपवास कर रहे 'स्वामीजी' की देखभाल के लिए परिवार की एक शादी में शामिल नहीं हुए, लेकिन उन्हें उपवास कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मिलने का समय नहीं मिला। ओ ब्रायन ने कहा, प्रधानमंत्री द्वारा एक मित्रवत साक्षात्कारकर्ता को दिया गया पॉडकास्ट, इस बात का मास्टरक्लास था कि किस तरह से विमर्श को स्थापित करने का प्रयास किया जाए। हल्के-फुल्के सवाल। कोई फॉलो-अप नहीं।

अमेरिकी कंप्यूटर वैज्ञानिक और पॉडकास्टर लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट में मोदी ने कहा कि उनका प्रारंभिक जीवन अत्यधिक गरीबी में बीता। ओ ब्रायन ने कहा, प्रधानमंत्री ने बताया कि कैसे उन्होंने जीवन के उच्च उद्देश्य की खोज की - इस खोज में उन्होंने अपनी शारीरिक शक्ति का परीक्षण किया। यह सब बहुत नेक है। हर दिन तीस किसान आत्महत्या करते हैं। तृणमूल नेता ने कहा, आरएसएस पर प्रतिबंध लगाते समय सरदार पटेल ने कहा था कि संघ के सदस्यों द्वारा अवांछनीय और खतरनाक गतिविधियां की गई हैं तथा यह पाया गया है कि देश के कई हिस्सों में संघ के सदस्य आगजनी, जैसी हिंसक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और उन्होंने अवैध हथियार और गोला-बारूद एकत्र किया है। उन्होंने कहा कि मोदी ने कहा कि आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन 2014 में सत्ता में आने के बाद से उन्होंने कितनी प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया है?

आलोचकों को तो मोदी सरकार में किया गया गिरफ्तार

ओ ब्रायन ने कहा, उनके कार्यकाल में आलोचकों और कार्यकर्ताओं को यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) जैसे कानूनों के तहत गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, 2014 से 2022 के बीच दोषसिद्धि दर केवल 2.54 प्रतिशत है।" उन्होंने सिद्दीकी कप्पन, स्टेन स्वामी और उमर खालिद का जिक्र किया, जिन्हें यूएपीए के तहत जेल भेजा गया। स्वामी की मौत जमानत का इंतजार करते हुए हुई थी।

मप्र में कांग्रेस का अनूठा प्रदर्शन

» विधायक बना कुंभकरण भोपू बजाकर जागने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश में मोहन यादव सरकार को घेरने के लिए कांग्रेस प्रदर्शन का नया तरीका लेकर आई है। मध्य प्रदेश की सड़कों पर कांग्रेस के विधायक रावण के भाई कुंभकरण बनकर उतरे हैं। कांग्रेस के इस अनोखे विरोध के खूब वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। खुद एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने नुक्कड़ नाटक कर विरोध का एक वीडियो शेयर कर लिखा है कि कुंभकरण 6 महीने सोकर जाग जाता था। किंतु मोहन यादव सरकार की नींद ही नहीं टूट रही है।

वीडियो में एक विधायक कुंभकरण बने सड़क पर सो रहे हैं। उनकी आंखों पर पट्टी है। आसपास बैठे कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता चारों ओर से घेरकर भोपू बजा बजाकर उन्हें जगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कुंभकरण के कान पर जू नहीं रेंग रही। इस प्रदर्शन में कुंभकरण बने कांग्रेस विधायक दिनेश जैन कहते हैं कि कुंभकरण बनकर हमने यह बताने की कोशिश की है कि सरकार कुछ भी कर सकती है।

पास वो आने लगे जरा–जरा...

» भगवामयी होंगे शशि थरूर!

» एक और कांग्रेसी दिग्गज के दिल में जागा मोदी प्रेम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शशि थरूर के दिल में एक बार फिर मोदी प्रेम जागा है। उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ की है। तो क्या इसका मतलब उन्हें जल्द बीजेपी में शामिल होना निकाला जाए। हालांकि शशि थरूर इस बात से इंकार कर रहे हैं। टाइम मैनेजमेंट इस बात की गवाही दे रहा है कि सबकुछ सेट हो चुका है। बस उपयुक्त मौके पर वह गमछा बदल लेंगे। शशि विदेशी मामलों के एक्सपर्ट हैं और इस समय यूक्रेन–रूस युद्ध समाप्त होने वाला है।

पीएम मोदी ने खुद को इस युद्ध को रोकने में एक मध्यस्थ के तौर पर निभाई गयी भूमिका के तौर पर पेश किया है। ऐसे में जब युद्ध रूकने वाला हो और विपक्ष का एक बड़ा नेता इस की तारीफ करे तो कई मायने स्वतः निकलते हैं। थरूर ने इससे पूर्व में लिक्ट्रेचर फेस्टिवल में भी पीएम मोदी की सशक्त नेता के तौर पर तारीफ की थी लेकिन उस समय उन्होंने बीजेपी की विभाजनकारी नीतियों की आलोचना भी की थी। इस बार मामला पूरा साफ है और संकेत हैं कि वह जल्द ही एक नई भूमिका में आने वाले हैं।

क्या दिया है बयान?

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मोदी सरकार की तारीफ की है। थरूर ने कहा- भारत आज ऐसी स्थिति में है जो रूस और यूक्रेन के बीच शांति स्थापित कर सकता है। भारत के पास ऐसा प्रधानमंत्री है, जो वोलोदिमिर जेलेंस्की और व्लादिमीर पुतिन दोनों को गले लगा सकता है। हम दोनों जगहों (रूस और यूक्रेन) पर स्वीकार किए जाते हैं।

दर्जनों कांग्रेसी हो चुके हैं बीजेपी में शामिल

इससे पहले भी कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भाजपा में शामिल हो चुके हैं। जिससे यह सवाल उठता है कि क्या थरूर भी इस दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं? जरूरी नहीं कि थरूर औपचारिक रूप से बीजेपी में शामिल हों वह तटस्थ भाव से जैसा कि पूर्व में कई कांग्रेसी दिग्गजों ने किया के राजनीतिक मॉडल को अपना सकते हैं। गौरतलब है कि यह वही थरूर है जो मैडम सोनिया के काफी करीबी थे लेकिन इन्हीं थरूर ने कांग्रेस आलाकमान के मना करने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव लड़ा। यही नहीं इन्हें प्रोफेशन कांग्रेस का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बनाया गया था लेकिन यह वहां भी अपनी छाप नहीं छोड़ सके। मध्य प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मार्च 2020 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा। उनके इस कदम से मध्य प्रदेश में कांग्रेस सरकार गिर गई और भाजपा सत्ता में आई।असम के प्रभावशाली नेता हेमंत बिस्वा सरम ने 2015 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा शरण ली। वर्तमान में वे असम के मुख्यमंत्री है और कांग्रेस के खिलाफ जबर्दस्त जहर उगलते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता टॉम वडक्कन ने बीजेपी को यह कहते हुए ज्वाइन किया कि वह वे कांग्रेस की नीतियों से असंतुष्ट हैं। उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री आरपीएन सिंह ने जनवरी 2022 में भाजपा का दामन थामा। असम की पूर्व सांसद और महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुष्मिता देव ने अगस्त 2021 में तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने के बाद, 2023 में भाजपा में प्रवेश किया।नटवर सिंह पूर्व विदेश मंत्रीने 2008 में कांग्रेस से इस्तीफा दिया और बाद में भाजपा के समर्थन में बयान दिए। हालांकि, उन्होंने औपचारिक रूप से भाजपा की सदस्यता नहीं ली। गुलाम नबी आजाद पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने भी बीजेपी की सदस्यता नहीं ली लेकिन कांग्रेस को कोसने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने खुद की पार्टी बनाई और चुनाव लड़ा। पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा जनवरी 2024 में शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हुए। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ अप्रैल 2024 में भाजपा में शामिल हुए। ?

न निकले राजनीतिक मतलबः कैप्टन

कांग्रेस ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष कैप्टन अजय यादव ने कहा शशि थरूर के बयान का राजनीतिक मतलब नहीं निकालने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि इस बात का कोई राजनीतिक मतलब नहीं निकालना चाहिए। यह उनका अपना नजरिया है। प्रदेश की राजनीति के ऊपर उन्होंने कोई टिप्पणी नहीं की है। शशि थरूर ने पीएम मोदी की विदेश नीति में से किसी एक नीति की प्रशंसा की है इसका कोई राजनीतिक मतलब नहीं निकालना चाहिए।

उन पर क्या टिप्पणी करूं : राजीव शुक्ला

दिग्गज कांग्रेसी नेता राजीव शुक्ला ने शशि थरूर के बयान पर कहा है कि इस सवाल का जवाब वहीं दे सकते हैं। मैं इस पर क्या टिप्पणी करूं।

'खुश हूं कि मन की बात सुनी'

भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा है कि शशि थरूर ने अपनी दिल की सुनी और दिल की बात कही। वह विदेशी मामलों के अच्छे जानकार हैं। उन्होंने पार्टी लाइन से हटकर जो बात उन्हें अच्छी लगी है वह उन्होंने कही है एक सांसद के तौर पर उनका स्वागत है। क्योंकि, सांसद होने के नाते सच बात तो बोलना ही चाहिए। वह उनके बयान से खुश है।

राहुल से मिलकर खुशी से झूमे निर्माण श्रमिक

» कई संगठनों से मुलाकात की, मजदूरों के अधिकारों की रक्षा का संकल्प लिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को निर्माण श्रमिकों से जुड़े विभिन्न संगठनों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाने का संकल्प लिया। राहुल ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें देश में मजदूरों की दयनीय स्थिति से अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता ने अपने व्हॉट्सएप चैनल पर कहा, भारतीय श्रमिक एक बड़ी ताकत हैं, जिन्होंने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लेकिन आज वे दैनिक मजदूरी के अभाव और आर्थिक, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा की कमी से जूझ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए बनाए गए कानून बड़े पैमाने पर विफल हो रहे हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, मैं उनके अधिकारों की रक्षा और उनकी समृद्धि के लिए हर संभव तरीके से आवाज उठाऊंगा।

इजराइल ने मानवता की हत्या की : प्रियंका गांधी

» गाजा में निर्दोष नागरिकों के निर्मम नरसंहार पर बरसीं कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इजराइल की ओर से गाजा में किये गये ताजा हमलों को लेकर भारत की राजनीति भी गर्मा गयी है। विपक्षी नेताओं ने इजराइल पर सवाल दागा तो भारतीय विदेश मंत्रालय भी जागा और एक बयान जारी कर दिया। कांग्रेस सांसद प्रियंका वाड्रा ने पोस्ट करके इजराइली सरकार पर जोरदार हमला बोला है।

वायनाड की सांसद ने कहा कि इजराइल द्वारा 130 बच्चों सहित 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या किए जाने से पता चलता है कि उसके लिए मानवता का कोई मतलब नहीं है। उसके कदम अंतर्निहित कमजोरी और सच्चाई का सामना करने में असमर्थता को दर्शाते हैं। हम आपको बता दें कि इजराइल ने मंगलवार सुबह गाजा पट्टी क्षेत्र पर हवाई हमले किए, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 404 फलस्तीनी मारे गए हैं। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''इज़राइली सरकार द्वारा 130 बच्चों सहित 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या किए जाने से पता चलता है कि उसके लिए मानवता का कोई मतलब नहीं है। उसके कदम अंतर्निहित कमजोरी और सच्चाई का सामना करने में असमर्थता को दर्शाते हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''चाहे पश्चिमी शक्तियां फलस्तीनी लोगों के नरसंहार में उनकी मिलीभगत को स्वीकार करें या नहीं, दुनिया के सभी नागरिक जिनके पास विवेक है वह (कई इजराइलियों सहित), इसे देख रहे हैं।

हम गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की आपूर्ति जारी रखेंगे : विदेश मंत्रालय

भारत की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब इजराइल ने मंगलवार को गाजा में हवाई हमले फिर से शुरू कर दिए हैं, जिससे जनवरी में हमास के साथ हुए युद्धविराम पर अनिश्चितता पैदा हो गई है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''हम गाजा की स्थिति को लेकर चिंतित हैं। यह महत्वपूर्ण है कि सभी बंधकों को रिहा किया जाए।'' बयान में कहा गया, ''हम गाजा के लोगों को मानवीय सहायता की आपूर्ति जारी रखने का भी आह्वान करते हैं।

उन्होंने कहा कि इजराइली सरकार जितना अधिक आपराधिक ढंग से कार्य करती है, उतना ही अधिक वे स्वयं के बारे में यह प्रकट करते हैं कि वे वास्तव में कायर हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि दूसरी ओर, फ़लस्तीनी लोगों की बहादुरी कायम है। उन्होंने अकल्पनीय पीड़ा सहन की है फिर भी उनकी आत्मा अटूट बनी हुई है। सत्यमेव जयते। हम आपको बता दें कि प्रियंका गांधी की इस पोस्ट के बाद भारत ने कहा कि वह गाजा की स्थिति को लेकर चिंतित है और उसने संघर्ष प्रभावित फलस्तीनी क्षेत्र के लोगों को मानवीय सहायता उपलब्ध कराने का आह्वान किया।

'भारतीय नौसेना लंगड़ा बत्तख'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु की क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टी मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) के एक राज्यसभा सांसद ने शून्यकाल के दौरान भारतीय नौसेना की कड़ी आलोचना की। पार्टी नेता वाइको ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा तमिलनाडु के मछुआरों को लगातार परेशान किए जाने पर चिंता जताते हुए नौसेना को लंगड़ा बत्तख करार दिया।

वाइको ने भारत सरकार पर निष्क्रियता का आरोप लगाया और आरोप लगाया कि भारतीय नौसेना श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ मिलीभगत कर रही है। पिछले 40 सालों में श्रीलंकाई नौसेना ने 843 मछुआरों पर हमला कर उन्हें मार डाला है। 25 जनवरी को रामेश्वरम से 34 मछुआरों और तीन मछली पकड़ने वाली नावों को श्रीलंकाई नौसेना ने सीमा पार कर मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया।

अलग हुए युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा

» तलाक पर आया कोर्ट का फैसला, शादी के 4 साल बाद टूटा रिश्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा का तलाक हो गया है। चहल और धनश्री ने दिसंबर 2020 में शादी की थी। अब शादी के करीब 4 साल दोनों आधिकारिक तौर पर अलग हो गए हैं। धनश्री और चहल के तलाक का केस बांद्रा की फैमिली कोर्ट में चल रहा था। इन दोनों के तलाक पर गुरुवार दोपहर फैसला आया है।

चहल और धनश्री ने आपसी सहमति के साथ तलाक लिया है। इन दोनों की पहली बातचीत सोशल मीडिया के जरिए हुई थी। चहल और धनश्री सोशल मीडिया के जरिए दोस्त बने और फिर शादी कर ली. लेकिन यह रिश्ता ज्यादा चल नहीं सका। अगर रिपोर्ट्स की मानें तो चहल को एलिमनी के तौर पर धनश्री को 4.75 करोड़ रुपए देने हैं। वे इसमें से 2.37 करोड़ रुपए पहले ही दे चुके हैं। युजवेंद्र चहल ने एक पॉडकास्ट में बताया था कि वे धनश्री से डांस सीखना चाहते थे। इसीलिए उन्होंने धनश्री से बातचीत शुरू की थी। लेकिन इसके बाद दोनों दोस्त बन गए और फिर शादी का फैसला ले लिया। लेकिन अब अलग हो गए हैं। धनश्री और चहल क्यों अलग हुए हैं, इस बात का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। धनश्री ने कुछ महीने पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से चहल के सरनेम को हटा दिया था। इसके बाद दोनों के तलाक की चर्चा शुरू हो गई थी।

बीजापुर–दंतेवाड़ा सीमा पर नक्सलियों से मुठभेड़, 18 नक्सली ढेर, एक जवान बलिदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बीजापुर। जिले के गंगालुर थाना क्षेत्र में आज तड़के पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। बीजापुर पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि बीजापुर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के एक जवान का बलिदान हो गया है। वहीं नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 18 नक्सली मारे गए हैं।

वहीं हथियार और गोला–बारूद बरामद हुए हैं। मुठभेड़ और तलाशी अभियान जारी है। बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा के पास थाना गंगालुर क्षेत्रान्तर्गत माओवादी विरोधी अभियान पर संयुक्त टीम निकली थी।

अभियान के दौरान आज सुबह 7 बजे से माओवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हो गई। मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद के साथ 18 नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं।

वहीं दूसरी तरफ मुठभेड़ में बीजापुर डीआरजी के एक जवान का बलिदान हो गया है। मुठभेड़ के बाद तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, बीजापुर और दंतेवाड़ा की सरहद के जंगली क्षेत्र गंगालुर थाना इलाके के तोड़का एंड्री के जंगल में सुरक्षाबलों की संयुक्त पार्टी के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में नक्सलियों को भारी नुकसान होने की खबर है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :– 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू– मुंबई– 400049। संपादक – संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522– 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं– SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।